चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.12.22	5	7-8

मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएं : डा. शर्मा

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे।

मुख्य अतिथि किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

उन्होंने फसल विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रसायनों द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया।

मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.12.22	2	7-8

चिंता : विश्व की 33 फीसदी मृदा का स्तर अच्छा नहीं

एचएयू में मृदा दिवस मनाते हुए अधिकारी व प्रतिभागी। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने फसल विविधीकरण अपनाने व संतुलित रसायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। हर साल 5 दिसंबर को खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा विश्व मृदा दिवस बढ़ती जनसंख्या की वजह से मिट्टी के कटाव को कम करने की दिशा में काम करने, लोगों को उपजाऊ मिट्टी के बारे में जागरूक करने व संसाधन के रूप में मिट्टी के स्थायी प्रबंधन की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता में मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा प्रथम, कृषानु द्वितीय, मुस्कान तृतीय रही। इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. एसके शर्मा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	6.12.22	10	3-6

विश्व मृदा दिवस पर खाद्य उत्पति का स्रोत विषय पर कार्यक्रम

मृदा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविधालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में मृदाः खाद्य उत्पति का स्रोत विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने फसल विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रासायनों द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी। डॉ. एसके. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा। डॉ. मनोज शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

हिसार। मुख्य अतिथि किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.12.22	2	5-6

मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण जांच अवश्य कराएं: डॉ. जीतराम

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदाः खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने फसल विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रसायनों द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचूक इलाज बताया। उन्होंने पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में भी जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिबोल अदूल्यदेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अदूल्यदेज का कृषि क्षेत्र में अभिन्न योगदान है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.12.22	5	3-5

मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएं : डॉ. जीत राम शर्मा

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा : खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 5 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने फसल विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रासायनों द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिबोल अदूल्यदेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अदूल्यदेज का कृषि क्षेत्र में अभिन्न योगदान है। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.12.22	----	----

'मृदा खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

विश्व मृदा दिवस

मुख्य अतिथि किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिबोल अदूल्यदेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अदूल्यदेज का कृषि क्षेत्र में अभिन्न योगदान है। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	05.12.22	----	----

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा खाद्य उत्पति का स्त्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। रासायनों द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिबोल अदूल्यदेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.12.22	5	6

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फैकीक्रिल ट्रेनिंग का समापन

हिसार, 5 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फैकीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थी। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरूआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.12.22	2	1-5

कार्यक्रम • एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन

ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट बनाकर छात्राओं ने दिया प्रकृति को बचाने का संदेश, पौधे लगाने की अपील

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थी। छात्राओं ने ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट बनाकर पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता की देख-रेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरूआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके।

फेवीक्रिल पीडी लाइट इंडस्ट्री की अध्यापिका सुमन ने ट्रेनिंग के दौरान ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट बच्चों को सिखाया। छात्राओं ने आर्ट बनाकर पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। पर्यावरण सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की भी अपील की। सुमन ने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.12.22	4	3-4

छात्राओं को ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट सिखाया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई। अध्यापिका सुमन ने ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट छात्राओं को सिखाया। कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में हुआ। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.12.22	----	----

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन

डॉ. मंजु महता के साथ छात्राएं

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थी। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं परियारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरूआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। अध्यापिका सुमन ने ट्रेनिंग के दौरान ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट बच्चों को सिखाया। उन्होंने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	05.12.22	----	----

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थी। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरूआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। फेवीक्रिल पीडी लाइट इंडस्ट्री की अध्यापिका सुमन ने ट्रेनिंग के दौरान ग्लास पेंटिंग, क्ले आर्ट बच्चों को सिखाया। उन्होंने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।